विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग-चतुर्थ, विषय-हिंदी व्याकरण

दिनांक-22-12-2021 एन.सी.ईआर.टी. पर आधारित

गृहकार्य-

दिए, गए अध्ययन -सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

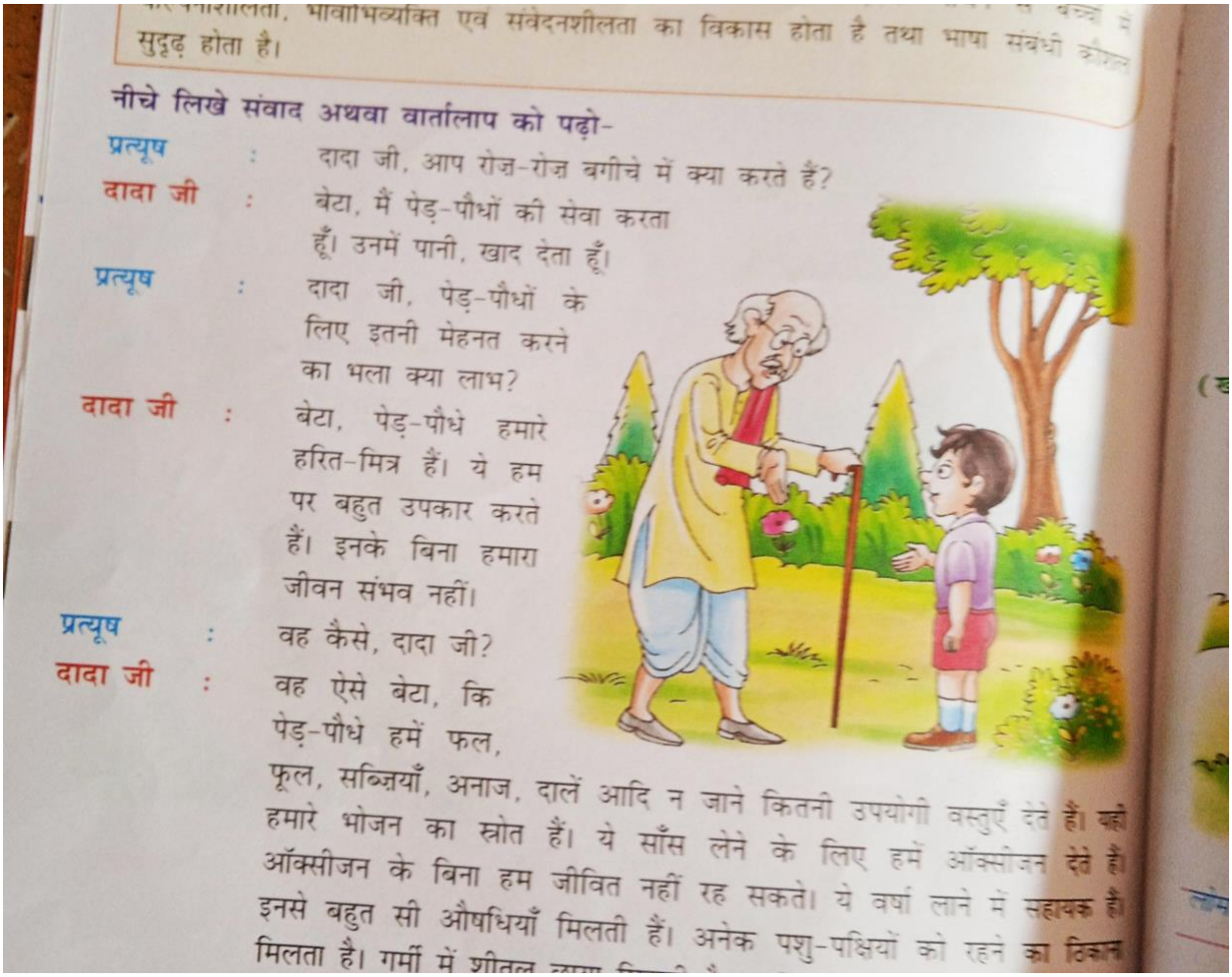

सुदृढ़ होता है।

नीचे लिखे संवाद अथवा वार्तालाप को पढ़ो-

प्रत्यूष : दादा जी, आप रोज़-रोज़ बगीचे में क्या करते हैं?

दादा जी : बेटा, मैं पेड़-पौधों की सेवा करता हूँ। उनमें पानी, खाद देता हूँ।

प्रत्यूष : दादा जी, पेड़-पौधों के लिए इतनी मेहनत करने का भला क्या लाभ?

दादा जी : बेटा, पेड़-पौधे हमारे हरित-मित्र हैं। ये हम पर बहुत उपकार करते हैं। इनके बिना हमारा जीवन संभव नहीं।

प्रत्यूष : वह कैसे, दादा जी?

दादा जी : वह ऐसे बेटा, कि पेड़-पौधे हमें फल, फूल, सब्ज़ियाँ, अनाज, दालें आदि न जाने कितनी उपयोगी वस्तुएँ देते हैं। यही हमारे भोजन का स्रोत हैं। ये साँस लेने के लिए हमें ऑक्सीजन देते हैं। ऑक्सीजन के बिना हम जीवित नहीं रह सकते। ये वर्षा लाने में सहायक हैं। इनसे बहुत सी औषधियाँ मिलती हैं। अनेक पशु-पक्षियों को रहने का ठिकाना मिलता है। गर्मी में शीतल